7. 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' निबंध की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

8. 'रिपोर्ताज' को परिभाषित करते हुए रांगेय राघव के रिपोर्ताजों की विशेषताएँ बताइए।

9. 'आत्मकथा' और 'जीवनी' में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10. 'अंधायुग' नाटक की विशेषताएँ बताते हुए इसके शीर्षक का औचित्य सिद्ध कीजिए।

11. हिन्दी निबन्ध की विकास यात्रा पर एक लेख लिखिए।

12. कथेत्तर गद्य के विकास में भारतेन्दु युग का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

13. किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) ललित निबन्ध

(ii) रेखाचित्र

(iii) यात्रा वृत्तान्त

(iv) संस्मरण

433

MAHD–05

June – Examination 2020

M.A. (Final) Examination

HINDI

नाटक और कथेत्तर गद्य विधाएँ

Paper : MAHD-05

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) संकलनत्रय से क्या तात्पर्य है ?

(ii) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित **तीन** नाटकों के नाम लिखिए।

(iii) 'अंधायुग' किस प्रकार का नाटक है ?

(iv) किन्हीं **तीन** ललित निबंधकारों के नाम बताइए।

(v) 'रेखाचित्र' को परिभाषित कीजिए।

(vi) 'जीवनी' से आप क्या समझते हैं ?

(vii) 'अपनी खबर' किस विधा की रचना है ? इसके रचयिता का नाम बताइए।

(viii) 'आवारा मसीहा' में किस साहित्यकार का चित्रण है ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"इस प्रतीक्षा में एकाएक उसका दर्द उस ढलती रात में उभर आया और सोचने लगा आने वाली पीढ़ी पिछली पीढ़ी की ममता की पीड़ा नहीं समझ पाती और पिछली पीढ़ी अपनी संतान के संभावित संकट की कल्पना मात्र से उद्विग्न हो जाती है। मन में यह प्रतीति नहीं होती कि अब संतान समर्थ है, बड़े से बड़ा संकट झेल लेगी।"

3. धर्मवीर भारती के नाटकों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

4. "मेरे राम का मुकुट भीग रहा है" निबन्ध का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"यह व्यवस्था या वृत्ति, जिसमें लोकमंगल का विधान होता हो, 'अभ्युदय' की सिद्धि होती है, धर्म है। अतः अधर्म वृत्ति को हटाने में धर्म-वृत्ति की तत्परता—चाहे वह उग्र और प्रचण्ड हो, चाहे कोमल और मधुर हो—भगवान के आनंद कला के विकास की ओर बढ़ती हुई गति है। वह गति यदि सफल हुई तो धर्म की जय कहलाती है। इस गति में सुन्दरता है और इसकी सफलता में भी। गति में सुन्दरता रहती ही है। आगे चलकर चाहे वह सफल हो चाहे विफल। विफलता में भी एक निराला ही विषण्ण सौन्दर्य होता है।"

6. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"प्रश्न के स्वर से और पूछने के ढंग से मैं एक तरफ बैठा भी तिलमिला गया, प्रेमचन्द भी एक छोटे क्षण के लिए सकते में आ गये थे, लेकिन तुरन्त संभलते हुए उन्होंने संयत स्वर में कहा, "एक क्यों, मैं तो दोनों पैर कब्र में लटकाये बैठा हूँ फिर भी कहता हूँ कि साधना का बड़ा महत्त्व होता है," और बात पूरी करके उन्होंने अपना प्रसिद्ध कह-कहा लगाया जिसकी गूँज आज भी कभी-कभी उनके दोनों बेटों—श्रीपत राय और अमृत राय की हँसी में सुनाई दे जाती है। स्पष्ट था कि इस बीच प्रश्न की बदतमीजी पर उन्होंने पूरी तरह विजय पा ली है।"